ग्राम गौरव संस्थान

ग्राम–बिरहटी, सुक्कापुरा, जिला–करौली (राज.)

प्रगति रिपोर्ट

०१ अप्रैल २०२० से ३१ मार्च २०२१ तक

परिचय –

ग्राम गौरव संस्थान संपूर्ण डांग क्षेत्र सहित ऐसी अन्य दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियो के समाज की आजिविका सुदृढ करने के प्रयासो में प्रयासरत् है जो सर्व विदित् है ग्राम गौरव संस्थान समाज को स्वयं के सर्वागिण विकास कि बुनियाद की और समाज का ध्यान आकर्षित करते हुए प्राकृतिक सामर्थ्य का अहसास करवाते हुए मानव सहित समूर्ण जैविक विविधता के खाद्यान, पेयजल आपूर्ति सहित सर्दी, गर्मी, बरसात व बिमारीयो से रक्षण पोषण का भान करवाते हुए प्राकृतिक संसाधनो के संरक्षण मे समाज के अंदर जागरूकता लाकर रचनात्मक कार्यो के साथ–साथ अनुशासन कायम करके संरक्षण की श्रृंखला संचालित किये हुए है राजीव गांधी फाउण्डेशन ने इन कार्यो को संचालित करने में उत्कृष्ट सहयोग किया है वित्तीय वर्ष 2020–21 में चेतनात्मक कार्यो सहित समाज की अति जरूरतो के अनुसार पोखर निर्माण में आर्थिक सहयोग ग्राम गौरव संस्थान के आयोजन पर किया है जो सराहनीय है ।

1 जागरूकता कार्यक्रम – कोरोना से बचाव हेतु जागरूकता कार्यक्रम

1. डांग क्षेत्र के 75 गांवो में लॉकडाउन की पालना करने के लिए दूरभाष से सम्बन्धित लोगो को सचेत किया ।
2. प्रवासी मजदूरो को कोरोना जॉच व क्वारंनटाईन रहने कि सलाह दी गई ।
3. कार्यक्षेत्र के गांवो में रचनात्मक कार्यो के साथ सामाजिक दूरी, मास्क आदि का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया ।
4. भारत सरकार की गाईडलाईन के अनुसार ग्रामीणो को सावधानी पूर्वक रहने के लिए 52 गांवो में 113 नुक्कड सभाओ के माध्यम से कोरोना से बचाव व सावधानी बरतने का संदेश दिया ।
5. 21 गांवो में चेतना पदयात्रा करके 42 नुक्कड सभाओ के माध्यम से जल, जंगल. जमीन संरक्षण का संदेश दिया गया ।

1.1 प्राकृतिक संसाधन संरक्षण हेतु जन चेतना कार्य एवं पदयात्राए ।

1. 05 गांव में दूरभाष द्वारा पोखर सैनिको को सक्रिय करके गांवो में ताल, पोखर, निर्माण करने के लिए तैयार किया व कार्यो की दर तय कि गई ।
2. संचालित कार्यो में जनसहयोग व निर्माणाधीन प्रक्रिया में समाज को सक्रिय करने के लिए 05 गांवो में गाईड लाईन के अनुसार 110 नुक्कड सभा करके प्रेरित किया एवं 17 ग्राम संगठन व 33 ग्राम विकास समिति कि बैठक की गई ।

2 रचनात्मक कार्य –

2.1 पोखर मरम्मत कार्य :– ग्राम गौरव संस्थान ने अपने कार्य क्षेत्र में संस्थान कि प्रेरणा से गांव के किसान स्वयं अपने सर्व साधनो से पोखर निर्माण व संवर्धन कार्यो में जुट रहे है पोखरो के मरम्मत कार्यो मे बैसाखी के रूप में आर्थिक सहयोग कि महती आवश्यकता को ध्यान में रखकर ग्राम गौरव के आयोजन व राजीव गांधी फाउण्डेशन के प्रायोजन पर निम्न पोखरो पर मरम्मत कार्य में सहयोग किया है –

क्र	गांव का नाम	पोखर का नाम	आर.जी.एफ सहयोग	जनसहयोग	कुल लागत	प्रभाव
01	घेरकापुरा राहिर	आमली वाली पोखर	42,307	20954	63,261	06 बीघा बंजर जमीन सिंचित होगी।
02	बीचकापुरा राहिर	बााढई वाली पोखर 1	29,111	14355	43,466	04 बीघा बंजर जमीन सिंचित होगी ।
03	घेरकापुरा राहिर	बाढई वाली पोखर 2	52,892	26246	79,138	10 बीघा बंजर जमीन सिंचित होगी ।
04	घेरकापुरा राहिर	गट्टी वाली पोखर	51,280	25440	76,720	08 बीघा बंजर जमीन सिंचित होगी ।
05	गजसिंहपुरा	गांव वाला ताल	50,000	16880	66,880	150 बीघा बंजर जमीन सिंचित होगी ।
06	घेरकापुरा राहिर	जोतन वाली पोखर	51,217	25408	76,625	10 बीघा बंजर जमीन सिंचित होगी ।
07	द्यारामपुरा	खदनान वाली पोखर	41,869	20935	62,804	03 बीघा बंजर जमीन सिंचित होगी ।
08	बीचकापुरा राहिर	नई तोड की पोखर	79,780	39691	1,19,471	07 बीघा बंजर जमीन सिंचित होगी ।
09	चौबेकी	श्यारी की पोखर	50,000	29676	79,676	10 बीघा बंजर जमीन सिंचित होगी ।
10	बीचकापुरा राहिर	थुम्मी वाली पोखर	47,757	23678	71,435	06 बीघा बंजर जमीन सिंचित होगी ।

3. **नरेगा परियोजना –** नरेगा परियोजना संस्थान की कार्य प्रणाली के अनुरूप ग्रामीणों की आजीविका सुदृढ़ करने में पोखर पैगारा निर्माण/संवर्धन में आकर्षित हों इसके लिए ग्राम संगठनों को प्रेरित करता है। अप्रैल माह से 31 मार्च तक ग्राम मोरोची, रावतपुरा, खिजूरा, बामूदा, मानिकपुरा, बन्धनकापुरा, दयारामपुरा,राहिर, गजसिंहपुरा, कशियापुरा,भोपारा गाँव में नुक्कड़ बैठकें कीं और ग्राम गजसिंहपुरा में ताल के लीकेज को रोकने के लिए ग्राम संगठन की बैठकें कीं। और पोखर

पैगारो की लिस्ट तैयार की । 45 पैगारा एवं 13 पोखरो की यह सूची संबंधित ग्राम पंचायतो के वार्ड पंचो को प्रेषित करवाई एवं नरेगा में विचाराधीन 03 गांव में (चौबेकी, अलबतकी, ठेकला की झोपड़ी) 04 तालाबो कि स्वीकृति हेतु विभागीय लोगो से संपर्क कर स्वीकृति हेतु प्रयास किया ।

बैठक	संख्या
नुक्कड बैठक	20
ग्राम संगठन बैठक	03

04. राजीव आजीविका संवर्धन अभियान – कोरोना वायरस के चलते देश के उद्योग, लघु उद्योग, भवन निर्माण के कार्यो में आई कमी के चलते बेरोजगार हुए युवाओ के घटते आत्मबल को सबल देकर अपने स्वयं के द्वारा अपना व्यवसाय प्रारंभ करने कि पहल कि और अग्रसर करने के प्रयासो में सरकार कि और से अपने सोचे गये व्यवसाय में क्या–क्या मदद मिल सकती है इस हेतु 125 लोगो से संपर्क करके सर्वे फार्म भरवाया गया व इन्ही में से 25 लोगो का चयन किया साथ ही संबंधित व्यवसाय से संदर्भ व्यक्ति से प्रशिक्षण के लिए चिन्हीत युवाओ से 07 झूम बैठको द्वारा प्रशिक्षित करने के प्रयास किये है इन प्रयासो से नरेश कुमार माहावर निवासी मामचारी, जगदीश सैनी निवासी काचीपुरा, योगेश गुप्ता निवासी मामचारी, ओमप्रकाश मीना निवासी कशियापुरा इन प्रयासो से अपने आपको अपने स्वयं को व्यवसाय में इन प्रयासो को महत्वपूर्ण सलाह के रूप में महत्व देते है।

5. प्राकृतिक संसाधनो का अध्ययन – प्राकृतिक संसाधनों की वस्तुस्थिति को समझने के लिए अध्ययन ग्राम गौरव संस्थान के कार्य क्षेत्र के दो गांवों का किया गया ग्रामीण भाषा में इन संसाधनो को सामलाती, साझली, सामलातदेह के नाम से जाना जाता है (ताल, नदी, झरना, श्मशान, कब्रिस्तान, वनी चारागाह, रास्ते, अथाई, खेल के मैदान सहित गांवों के वन–सम्पदा में घास, पेड़–पौधे आदि) का अतीत व वर्तमान को वस्तुस्थिति के अनुसन्धान के केन्द्र में रखकर अध्ययन किया । दोनो गांव में 10–10 नुक्कड बैठको में ग्रामीणो के साथ संवाद में विश्लेषणात्मक जानकारी निकाली है यह दोनो गांव भिन्न भौगोलिक परिस्थितियो वाले अलग–अलग विकास खंण्ड के गांव है ।

श्यामपुर – ग्राम पंचायत श्यामपुर

गोपालपुर – ग्राम पंचायत गुणेश्वरा

5.1 राजस्व भू–प्रबंधन व्यवस्था के प्रभाव का वृत्तान्त – ग्राम गौरव संस्थान ने 70 वर्ष पूर्व से लेकर अब तक को ध्यान में रखकर ग्राम श्यामपुर का अध्ययन किया श्यामपुर गांव में बन सम्पदा व् कृषि–भूमि के प्रबन्धन को लेकर अपने गाँव की कुशलता कमजोरी के अतीत के संस्मरण के धनियों से बातचीत करके जानकारी प्राप्त कि गाँव के सम्पूर्ण क्षेत्र से महते को टेक्स इकठ्ठा करके राजा को चुकाने की परम्परा के समय गाँव में अच्छा जंगल रहे। नाना प्रकार की घास, घास के पकने से लेकर परागण होने तक की सूझ–बूझ ध्यान में रखते हुए पशुओं को चराई करवाते। गाँव की आबादी बढ़ने पर खेती की जमीन की अधिक आवश्यकता बढ़ने पर डांग के इस भू–भाग में एक छत पत्थर वाले नालों को द्विफसलीय खेतों में बदलने के लिए अपनी दिमागी मसकत करके कृषकों के साथ संवाद करके नालों में पगारा लगाने का कार्य करना, सिंचाई के लिए पोखर ताल का निर्माण करना, वन्यजीवों के संरक्षण को ध्यान में रखकर खेती की जमीन को चार दिवारी से संरक्षित करना, इस अध्ययन में पाया गया, जिसे आधुनिक इस युग में समाज में स्थापित करने की अति आवश्यकता है।

जमीन का प्रकार	जमीन का रकबा विक्रम संवत् 2015 (बीघा में)	जमीन का रकबा विक्रम संवत् 2034–37 (बीघा में)	जमीन का रकबा विक्रम संवत् 2055–58 (बीघा में)	जमीन का रकबा विक्रम संवत् 2075–76 (बीघा में)
निजी खातेदारी जमीन	477.12	703	748.03	748.03
चरागाह	265.03	242.13	242.13	242.13
सिवायचक	3534.11	884.13	732.08	732.08
वनभूमि	0	2691.17	2801.39	2780.10
सड़क	21.07	21.07	21.07	42.36
कुल क्षेत्रफल	4297.33	4541.5	4544.7	4544.7

श्यामपुर गांव के चारागाहो व जंगल में वन संपदा में पेड पौधे व घास कि स्थिति –

विक्रम संवत् 2015 में पेड	वर्तमान हॉ / नही	क्षेत्रफल (प्रतिशत में)	
		विक्रम संवत् 2015	वर्तमान
गुगल	नही	0.27	0.00
बीजो	नही	0.50	0.00
श्यारी	नही	1	0.00
दामन	नही	0.50	0.00
सेमल	नही	2	0.00

धौक	हॉ	60	10
केम	हॉ	.25	0.05
करहर	हॉ	0.05	0.02
गुरजैन	हॉ	20	5
कटपरा	हॉ	10	2.82
बरैना	हॉ	0.01	0.00
गुटैर	हॉ	0.01	0.00
जाल	हॉ	.05	0.02
जरखेड	हॉ	0.10	0.05
बॉस	हॉ	0.05	0.05
चिलौर	हॉ	0.02	0.01
पीपल	हॉ	0.01	0.01
जामुन	हॉ	0.01	0.01
कालाखैर	हॉ	0.10	0.05
सफेदखैर	नही	0.05	0.00
महुवा गडेर	हॉ	0.02	0.01
तेन्दुर	हॉ	0.01	0.01
सेमरा	नही	0.01	0.00
गिरधी धोह	हॉ	0.10	0.05
बेर	हॉ	0.30	0.10
परपरा	हॉ	0.25	0.10
रेन्ज	हॉ	0.50	0.10
सैता	हॉ	0.05	0.02
बहेरा	हॉ	0.05	0.02
मेड	हॉ	0.02	0.01
गुलर	हॉ	0.03	0.01
खिन्नी	हॉ	0.04	0.02
इन्नी	हॉ	0.04	0.01
छोला	हॉ	0.50	0.10
सहेजना	हॉ	0.50	0.10
लिसाड़ा	हॉ	0.60	0.30
अरू	हॉ	0.50	0.20
सरस	हॉ	0.50	0.20
चबेनी	हॉ	0.3	0.15
अमलाताश	नही	0.1	0.00
डण्डाथोर	नही	0.2	0.00
रोहेला	हॉ	0.1	0.1
शिशम	हॉ	0.1	0.1
आमली	हॉ	0.1	0.1
थौर	हॉ	0.1	0.1
		100	20

घास

विक्रम संवत् 2015 में घास	वर्तमान हॉ / नही
गधेल	हॉ
धौलीलाफ	हॉ
कालीलाफ	हॉ
रौस्या	हॉ
कैवाई	हॉ
मकड़ा	हॉ
लैसवा	हॉ
कनागोखना	हॉ
गोन	हॉ
बरू	हॉ
भजूरा	हॉ
चिचड़ा	हॉ
सवा	हॉ
कना	हॉ
छिरवारी	हॉ
तुरी	हॉ
सापड़ी	हॉ
करधना	हॉ
पवांर	हॉ
धौध	नही
मोरझना	नही
जरगाह	नही
रोटक्या	नही
कांगनी	नही
चैच	नही
चैना	नही
कोदू	नही

जड़ी बुटी

विक्रम संवत् 2015 में जड़ी बुटी	वर्तमान हॉ / नही
धौली मुसली	नही
सुअर कंद	हॉ

6. पोखर सैनिक सम्मान समारोह – ग्राम गौरव संस्थान का खण्डार से लेकर बाड़ी वसेडी तक फैला कार्य क्षेत्र डांग के गांवों में से अपने गांवों के प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रयासों में निर्मित ताल पोखर पगारों के निर्माण के लिए समर्पित स्वैच्छिक ग्रामीणों को पोखर सैनिक की उपाधि से नवाजता है। पोखर सैनिकों के सम्मान में ग्राम गौरव संस्थान हमेशा समर्पित रहता है। इस वर्ष पोखर सैनिकों के सम्मान में ग्राम बामुदा के ताल के किनारे ग्राम गौरव संस्थान के अध्यक्ष महोद्य श्री शशीधरणजी के कर कमलो द्वारा पोखर सैनिक सम्मान सम्मारोह आयोजित करके पोखर सैनिको को साफा पहनाकर सम्मानित किया ।

सम्मानसमारोह में उपस्थित छग्गा मीणा ने ग्राम गौरव संस्थान के उत्कृष्ट कार्यो कि प्रशंसा करते हुए कहा डांग की खाद्यान व पेय जल आपूर्ति के साथ साथ भ्रष्टाचार मुक्त निर्माण कार्य करवाकर डांग के ग्रामीणो कि कौशलता बढ़ाने का कार्य संस्थान कर रहा है शिविर का संचालन करते हुए ग्राम गौरव संस्थान सचिव श्री जगदीश गुर्जर ने एक एक पोखर सैनिक का नाम पुकारते हुए उनके कामो की प्रशंसा कि संस्थान अध्यक्ष श्री शशिधरणजी ने अपने आप को धन्य मानते हुए कहॉ मैने अपने हाथो से तहेदील से उन लोगो का सम्मान किया है जो देश के लिए अन्न जल के प्रबंधन में पूरी तरह से समर्पित है मै आशा करता हूँ यह काम अविरल रहे ऐसी मेरी कामना रहेगी ।

पोखर सैनिक का नाम	गांव का नाम
अमरसिंह मीणा	बेहरदा
ऋषिकेश मीणा	बेहरदा
जगन्नाथ गुर्जर	रावतपुरा
नादान गुर्जर	रावतपुरा
झंग्गा मीणा	बीचकापुरा (राहिर)
ब्रजमोहन गुर्जर	बामुदा
बाबुलाल गुर्जर	बामुदा
रामदेव गुर्जर	अलबतकी
ब्रजवासी गुर्जर	बामूदा
चिरंजी मेंडिया	बामूदा
हरिचरण गुर्जर	बामूदा
हरिचरण गुर्जर	मरमदा
हजारी	खिजूरा

6.1. पोखर सैनिक क्षमता वर्धन शिविर – ग्राम गौरव संस्थान पोखर सैनिक के रूप में गाँव–गाँव में संस्थान के डांग क्षेत्र के ग्रामीणों की आजीविका सुदृढ़ करने के प्रयासों की श्रृखला में स्तम्भ रूपी पोखर सैनिकों को प्रोत्साहित व आपसी समझ का आदान–प्रदान कर कौशलता बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है। इस त्रैमासिक अवधि में संस्थान ने क्षमातावर्धन शिविर आयोजित करके 6 गाँवों के ग्राम संगठनों के सदस्य पोखर सैनिकों की कौशलता उभारने के लिए शिविर आयोजित किया। इस शिविर मे उपस्थित धर्मराज गुर्जर ने ग्राम गौरव के इस अवसरो को सराहते हुए उपस्थित सभी पोखर सैनिको को डांग के सर्वागिण विकास में डांग कि खुशहाली के लिए पौराणिक विधाओ व आधुनिक तकनीकि को धारण करते हुए सरकारी व गैरसरकारी विकास की एजेन्सीयो के साथ जुडकर हम लोगो को डांग के विकास में पारदर्शिता व गुणवत्ता समाज की आस्था कायम करते हुए जुटना है तकनीकि विशेषयज्ञ योगेश गुप्ता ने ताल, पोखर, पैगारा के निर्माण में सीपेज व लीकेज को विश्लेषनात्मक तरीके से समझाया जगदीश गुर्जर ने पोखर सैनिको सहित सभी उपस्थित लोगो का आभार प्रकट करते हुए डांगवासियो की आजीविका सुदृढ करने की अपनी श्रृखला में पोखर सैनिको के अहम योगदान को सहराया और ऐसे शिविरो से डांग के विकास के आयाम खुलने व समर्पित लोगो कि कौशलता बढ़ने का विश्वास जताया ।

पोखर सैनिक का नाम	गांव का नाम
रामदेव	अलबतकी
मोहरसिंह	अलबतकी
खिलाड़ी	अलबतकी
श्रीमतजी	चौबेकी
हंसराम	चौबेकी
रामसिंह	चौबेकी
छंगा	बीच का पुरा (राहिर)
रमेश	बीच का पुरा (राहिर)
कैलाश	ठेकला की झोपड़ी
रामकेश	ठेकला की झोपड़ी
द्याल	ठेकला की झोपड़ी
सिरमौर	गजसिंहपुरा
उद्यसिंह	गजसिंहपुरा
बनीसिंह	गजसिंहपुरा

7 वंडररूम – कोरोना काल में डांग क्षेत्र में संचालित राजकीय विद्यालय कानून की पालना में बालकों को नियमित व रू–बरू होकर अध्यापकों के नहीं पढ़ाने के समय अवधि में वंडररूम के संचालक कानूनों की पालना के अनुसार बालक से बालक की दूरी रखकर व जूम व्यवस्था के अनुसार बालकों की शिक्षण व्यवस्था निरन्तर रही ग्राम धोधाकी में नवीन वंडररूम संचालित किया।

1. वंडररूम के बालको को कोरोना महामारी से बचाव हेतु मास्क पहनना, सामाजिक दुरी रखना, हाथ धोना, सेनेटाईजर का उपयोग करने हेतु दूरभाष पर प्रेरित किया गया ।
2. प्राकृतिक संसाधनो के संरक्षण हेतु बालको को कोरोना गाईड लाईन कि पालना कराते हुए 08 स्थानो पर वृक्षारोपन करवाया गया ।
3. बालको को दादी–नानी कि कहानी, निबंध लेखन व चित्रकला का दूरभाष पर एवं ऑनलाईन सीखा रहे है व विज्ञान वर्ग के बालको कि ऑनलाईन पढ़ाई हो रही है ।

08. गणतंत्र दिवस – हरवर्ष कि भाती इस वर्ष भी अपने देश का पवित्र गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को झंण्डा रोहण कार्यक्रम किया आश्रम प्रांगण में ग्राम गौरव संस्थान देश कि अखंण्डता, प्रगति व संप्रभुता को कायम रखने में गावो के ग्राम संगठनो द्वारा गांवो की आजिविका सुदृढ व आत्मनिर्भर बने ऐसे प्रयासो मे प्रयासरत् है जिसमें चलते करौली जिले सहित संपूर्ण डांगक्षेत्र के बहुत से गांव में कई सौ ताल, पोखर, पैगारो का निर्माण कार्य में अपने आप को समर्पित किया है ।

वित्तिय वर्ष 2020–21 कि परियोजना व वार्षिक योजनानुसार महिनेवार काम का वर्गीकरण किये अनुसार ग्रामीणो की आजीविका सूदृढ करने वाले मिशन के तहत नवनिर्मित व संवर्धन वर्षाजल, मृदा संरक्षण, संरचनाओ के कार्यो को संपादित किया ।

धर्मपाल सत्यपाल लिमिटेड के आर्थिक सहयोग से निर्माणाधीन ।

1. केमरी वाली पोखर घेरकापुरा
2. पाटन वाली पोखर, घेरकापुरा
3. रत्ती वाली पोखर, घेरकापुरा
4. मेड़ गधेरा का ताल, बीचकापुरा
5. चोकन वाली पोखर, आमरेकी
6. बहेरे वाला ताल, ठेकला की झोपड़ी
7. आड़ी नली की पोखर, अलबतकी
8. ओड़ी नली की पोखर, अलबतकी
9. डोमन वाली पोखर, अलबतकी
10. लोढन वाला पैगारा, अलबतकी
11. शमशान वाला ताल, चौबेकी

संस्थान का जनचेतनात्मक कार्यो के प्रभाव से नवनिर्माण संरचाओ में आर्थिक सहयोग में संस्थान ने अपने नियमानुसार हितग्राहियो और संस्थान के द्वारा देय के अनुसार सहयोग कर रही है पर चेतनात्मक काम के प्रभाव से डांग के ग्रामीण खुद अपने बडे आर्थिक सहयोग से अपनी पुरानी संरचनाओ का संवर्धन करना चाह रहे है है पर अपने हितग्राही समुह को सक्रिय करने के लिए आंशिक सहयोग संस्थान से आर्थिक रूप में चाहने पर संस्थान इस काम को सघन व व्यापक करने में राजीव गांधी फाउण्डेशन से आर्थिक सहयोग पाकर ग्रामीण को आंशिक सहयोग प्रदान करके 10 वर्षाजल संरक्षण संरचनाओ का निर्माण कार्य संपादित किया है जो निम्न प्रकार है ।

1. आमली वाली बाढई की पोखर, घेरकापुरा
2. बाढई वाली पोखर 1, बीचकापुरा
3. बाढई वाली पोखर 2, घेरकापुरा
4. गट्टी वाली पोखर, घेरकापुरा
5. गॉव वाला ताल, गजसिंहपुरा
6. जोतन वाली पोखर, घेरकापुरा
7. खदनान वाली पोखर, द्यारामपुरा
8. नई तोड की पोखर, बीचकापुरा
9. शायरी की पोखर, चौबेकी
10. थुम्मी वाली पोखर, घेरकापुरा

नरेगा परियोजना की चौडियाखाता गांव में मिंटींग

ग्राम गौरव संस्थान का नरेगा परियोजना के अन्तर्गत गावो से प्रस्ताव लेकर ग्राम पंचायत की ग्राम सभा में अनुमोदन करवाकर सारी प्रक्रिया से गुजरते हुए गांव की पौराणिक मृदा संरक्षण की पैगारा पध्दति को संचालित करवाने हेतु स्वीकृति करवाने की रणनीति के अन्तर्गत ग्राम पचायत दौलपुरा व निभैरा के गांवो की बैठक करके पैगारा संरचनाओ की प्रक्रिया शुरू कि है ।

ग्राम गौरव संस्थान ग्रामीण आजीविका सूदृढ करने की स्थायी समाधान हेतु गांवो में खाद्यान व पेयजल आपूर्ति सहित पशुओ को चारा पानी के प्रबंधन के साथ–साथ पर्यावरणीय संतुलन बनाने में प्राकृतिक संसाधनो के संरक्षण में वर्षाजल मृदा संरक्षण वास्ते ताल, पोखर, पैगारा निर्माण कार्य कर रहा है जिसका उत्कृष्ठ परिणाम भी आ रहे है पर कार्य क्षेत्र मे ऐसे परिवार है जो अतिगरीब भूमिहीन असहाय उन परिवारो संबल एक बैसाखी के रूम में देकर इन परिवारो से विशेष जुड़कर इन्हे स्थायी रोजगार सृजन करने के परिवारो ने आर्थिक मदद की है जो निम्न प्रकार है ।

1. धानसिंह और भाई, असहाय
2. बिरमा पत्नी शीवचरण, विधवा
3. लखनबाई पत्नी रामदरी, विधवा
4. लखनबाई पत्नी घनश्याम, विधवा
5. विद्या पत्नी बनी, अतिगरीब

ग्राम गौरव संस्थान अपने प्रयासो से अपने कार्य क्षेत्र में निर्मित ताल, पोखर, पैगारा निर्माण के प्रभाव से गेहू, सरसो, धान की पैदावार में बढोतरी की गणना बढाने में संस्थान पानी की उपलब्धता से बेहतरीन लाभ ग्रामीण को मिले इस हेतु खेती के तरीको में जुताई, बीज बुआई, खाद, औषधी को स्वास्थ्य वर्धक होने तक की अपेक्षा मे पौराणिक देशी उत्तम विधी व नवीन देशी आविष्कारो का संगम करके किसानो के बीच संवाद करके स्थापित करने कि चेष्ठा में प्रयासरत है किसानो कि उपज महेंगे दामो में बीके इसके लिए सहकारी समिति का गठन करके सरकार की नीतियो के अन्तर्गत पंजीयन कराकर किसानो को लाभ मिले इसके लिए किसानो के साथ संवाद स्थापित करते हुए 07 गांवो के एक हजार किसानो का विस्तृत कृषि से संबंधित सर्वे किया है ।

डांग में कृषि के साथ–साथ पशुधन भी आजीविका सुदृढ करने का महत्ववान् जरीया है डांग में 120 दिन होने वाली बरसाती दिनो में ना–ना प्रकार कि घास – शेरण, धामन सहित कई प्रजाती की घास किसानो के अपने घेरो में व जंगलो में होती जो हरे घास के बराबर सुखा भी लाभ देती थी पर बरसाती दिन कम होने पर अब यह प्रजाती लुप्तप्राय हो चुकी है पशुओ को पौष्टीक चारा का अभाव रहता है । ग्राम गौरव संस्थान ने एक परियोजना के तहत गांवो में हरा चारा उपलब्ध कराने के प्रयास मे आजकल के प्रचलन में अजोला घास को ध्यान में रखते हुए अलबतकी गांव में शुरूआत के तौर पर अजोला घास का प्रारंभ करवाया है जो निम्न हितग्राहियो के साथ शुरू किया है ।

1 Smt. Maya w/o Khiladi Gurjar Alabatki
2 Bhura s/o Ram Charan Gurjar Alabatki
3 Hakin singh s/o Ummed Alabatki
4 Smt. Guddi w/o Bahadur Alabatki
5 Smt. Vidhya w/o Kallu Alabatki
6 Smt. Rupanti w/o Ram Prasad Alabatki
7 Gopal s/o Nathua Alabatki
8 Rajendra s/o Kamal Alabatki
9 Ramdeo s/o Parmanand Alabatki
10 Smt. Kesula w/o Bhawar Alabatki